15.25 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

SIXTIETH REPORT

Mr. Chairman: Shri Hem Raj:

Shri Hem Raj (Kangra): I beg to move:

"That this House agrees with the Sixtieth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 24th March, 1965."

श्री हुकम चन्द कछवाय : (देवास) : सभापति महोदय, अब पांच मिनट की छुट्टी कर दी जाये ।

श्री हरि विष्णु कामत : (होशंगाबाद) : पांच मिनट आराम करने दिया जाय ।

Mr. Chairman: Order, Order.

Shri Raghunath Singh: After all it is a question of three or five minutes.

Mr. Chairman: The question is:

"That this House agrees with the Sixtieth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 24th March, 1965."

The motion was adopted.

Mr. Chairman: Shri Prakash Vir Shastri.

15.26 hrs.

RESOLUTION RE: SESSION OF PARLIAMENT AT BANGALORE OR HYDERABAD—*contd.*

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : (बिजनौर) : सभापति महोदय, 12 मार्च, को मैंने इस सदन में अपना यह प्रस्ताव उपस्थित किया था कि संसद का एक अधिवेशन दक्षिण भारत में हैदराबाद अथवा बंगलौर, इन दोनों में से किसी नगर में होना चाहिये । इसी प्रकार का ए ... सभा में भी 20 नवम्बर, 1959 को मैंने उपस्थित किया था । उस समय मेरे प्रस्ताव के विरोध में संसद-कार्य मंत्री ने जो युक्तियां दी थीं, आज मैं उन युक्तियों के उत्तर से ही अपने भाषण को आरम्भ करता हूं ।

संसद-कार्य मंत्री ने अपने उत्तर में सबसे पहली युक्ति यह दी थी कि अगर हम बंगलौर या हैदराबाद में संसद् का एक अधिवेशन रखें, तो संसद के सात सौ सदस्यों के रहने की एक साथ व्यवस्था नहीं हो पायेगी । दूसरी युक्ति उन्होंने यह दी थी कि हम दिल्ली में संसद् के प्रत्येक सदस्य को टेलीफोन देते हैं, परन्तु उन नगरों में यह सुविधा भी हम सात सौ सदस्यों को एक साथ उपलब्ध नहीं करा पायेंगे । तीसरी युक्ति उन्होंने यह दी थी कि यहां पर सरकार के जो कार्यालय और कर्मचारी हैं, लोक सभा के अधिवेशन के दिनों में यहीं उन को इतना व्यस्त रहना पड़ता है, तो इन सब कार्यालयों और कर्मचारियों को उन नगरों में एक साथ शिफ्ट करना हमारे लिए बहुत कठिन हो जायेगा ।

एक और युक्ति उन्होंने यह भी दी थी कि सम्भव है कि दूसरे स्थान पर संसद का अधिवेशन होने से हम को प्रश्नोत्तर के घंटे की कटौती करनी पड़ जाये, जो कि संसद् में एक विशेष महत्व रखता है और जो संसद के कार्य का एक बहुत आवश्यक भाग है । एक बात उन्होंने यह भी कही थी कि संसद के सात सौ सदस्यों में जो अधिकांश सदस्य इधर के हैं, उन को जब संसद के अधिवेशन के लिए दक्षिण में जाना पड़ेगा, तो सरकार पर भत्ते का भार बहुत अधिक बढ़ जायेगा ।

इस के अतिरिक्त एक और युक्ति भी मुझे उन्हीं दिनों समाचार-पत्रों में देखने को मिली थी, जिसका मैं आज उल्लेख कर देना चाहता हूं । कुछ लोगों ने कहा था कि जब आज यह बात कही जाती है कि